Double Shift in Kendriya Vidyalayas

1645. SHRI GHUFRAN AZAM : Will the Minister of HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT be plased to state :

(a) the number of Kendriya Vidalayas in and around Delhi which run into two shifts;

(b) whether Government are aware that most of such Kendrya Vidayalayas start at 6.55 in the morning and the small children have to face a lot of mental, psychological and physical torture to reach the schools at such an early hour; and

(c) if so, the steps taken or direction proposed to be given by Government to ensure that these schools srart at around 8.00 a.m. for the convnience of the small children studying in such schools?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT (DEPTT. OF EDUCATION & DEPTT. OF CULTURE) (KUM. SELJA) : (a) There are elevan Kendriya Vidyalaya in and around Delhi which run in two shifts.

(b) and (c) In double shift Kendriya Vidalayas it is not feasible to start morning shift at 8.00 am. or later because shifts having middle classes and above run for six hours ten miniutes and shift having primary classes only run for five hours fifty five minutes. However, KVS has decided to run primary classes only in evening shifts in a phased manner.

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा संचालित परीक्षाएं

1646. **श्री शंकर दयाल सिंह :** क्या मानव संसाधन विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा संचालित मान्यता प्राप्त परीक्षाओं की संख्या कितनी है और देश भर में स्थित परीक्षा केन्द्रों के नाम क्या-क्या हैं;

(ख) इस संबंध में क्या नियम निश्चित किये गये हैं और ये परीक्षाएं किस किस विषयों में ली जाती हैं; और

(ग) इन परीक्षाओं को क्या मान्यता प्रदान की गई है ?

मानव संसाधन विकास मंत्रालय (शिक्षा और संस्कृति विभाग) में उपमंत्री (कुमारी शैलजा) : (क) से (ग) इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा भेजी गई सूचनानुसार, विश्वविद्यालय 22 कार्यक्रमों में विभिन्न उपाधियां प्रदान करने के लिए परीक्षाएं आयोजित करता है । इन कार्यक्रमों के नाम संलग्न विवरण-I में दिए गए हैं **(नीचे देखिए)** इन कार्यक्रमों हेतु परीक्षाएं पूरे देश में फैले हुए परीक्षा केन्द्रों में वर्ष में दो बार जून और दिसंबर में आयोजित की जाती हैं । ऐसे केन्द्रों की एक सूची अनुपत्र में दी गई है । **(देखिए परिशिष्ट 170 अनुपत्र सं० 39)** विश्वविद्यालय अपनी अपनी परीक्षाएं अपने अध्यादेशो में दिए गए प्रावधानों के अनुसार आयोजित करता है । इदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान की गई उपाधियों को रोजगार के प्रयोजनार्थ वही स्तर और मान्यता प्राप्त है जो देश के किसी अन्य विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान की गई तदनुरूपी उपाधि को प्राप्त है । जहां तक प्रवेश के लिए अर्हताओं का संबंध है, देश के विश्वविद्यालयों द्वारा सामान्यतः अपनाई जा रही पद्धति यह है कि वे एक दूसरे की अर्हताओं को परस्पर आधार पर मान्यता प्रदान करते हैं, बशर्ते प्रवेश अर्हता, समयावधि और योग्यता का स्तर एक जैसा हो । तदनुसार इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय ने प्रवेश के उद्देश्य से अपनी अर्हताओं को मान्यता देने के प्रश्न पर देश के अन्य विश्वविद्यालयों के साथ विचार विमर्श किया है और अब तक 48 विश्वविद्यालयों ने इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय को डिप्लोमा इत्यादि को मान्यता प्रदान की है ।

विवरण–I

कुछ कार्यक्रमों का ब्यौरा जिनके अधीन इंदिरा-विद्यालय द्वारा परीक्षाएं आयोजित की जाती हैं

प्रमाण-पत्र कार्यक्रम

–खाद्य एवं पोषण में प्रमाण पत्र

–मार्गदर्शन में प्रमाण पत्र

–ग्रामीण विकास में प्रमाण पत्र

डिप्लोमा कार्यक्रम

–प्रबंधन में डिप्लोमा

–अंग्रेजी में सृजनात्मक लेखन में डिप्लोमा

–हिन्दी में सृजनात्मक लेखन में डिप्लोमा

–ग्रामीण विकास में डिप्लोमा

–कार्यालय प्रबंध में कम्प्यूटर में डिप्लोमा

–उच्चतर शिक्षा में स्नातकोत्तर डिप्लोमा

–पोषण एवं स्वास्थ्य शिक्षा में डिप्लोमा

–सुदूर शिक्षा में स्नातकोत्तर डिप्लोमा

–प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा

–मानव संसाधन प्रबंध में स्नातकोत्तर डिप्लोमा

–वित्तीय प्रबंध में स्नातकोत्तर डिप्लोमा

–विपणन प्रबंध में स्नातकोत्तर डिप्लोमा

–संचालन प्रबंध में स्नातकोत्तर डिप्लोमा

डिग्री कार्यक्रम

–हिन्दी, अंग्रेजी, राजनीति विज्ञान, इतिहास, अर्थशास्त्र, लोक प्रशासन एवं समाज शास्त्र में मानविकी स्नातक

– वाणिज्य स्नातक

– विज्ञान स्नातक

– पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान में स्नातक

– सुदूर शिक्षा में स्नातकोत्तर

– व्यापार शासन में स्नातकोत्तर

Construction of Stadia in Gujarat

1647. SHRIMATI CHANDRIKA ABHINANDAN JAIN : Will the Minister of HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT be pleased to refer to the answer to Unstrarred Question 160 given in Rajya Sabha on 3rd December, 1993 and state :

(a) whether it is a fact that Government have not included the State of Gujarat in the list of stadia being provided during the Eighth Five Year Plan period; and the proposals have not been sanctioned by the Central Government;

(b) If so, the reasons thereof;

(c) the details of the present status of the proposal as on date alongwith other sixteen projects which have been sanctioned so far; and

(d) the measures taken or proposed to be taken by the Central Government in this regard ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT (DEPARTMENT OF YOUTH AFFAIRS AND SPORTS) (SHRI MUKUL WASNIK) : (a) No, Sir.

(b) Central Government has not drawn any list of stadia to be provided to different States during Eighth Five Year Plan. Central Government only renders matching assistance under the scheme of Grants for Creation of Sports Infrastructure to various States on receipt of viable proposals from them from time to time.

(c) and (d) The present status of the proposals of construction of stadia received and sanctioned during VIII Plan period i.e. 1-4-92 to 3-3-94 is given in the enclosed Statement (*See* below). The completion certificate in respect of these projects is awaited.